खबर संक्षेप

उर्वरक के अवैध परिवहन पर पिकअप चालक के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में उर्वरक के भंडारण एवं परिवहन पर संबंधित अधिकारियों द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही है। इसके लिए विभागीय अमले द्वारा विकासखंडवार वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। इसी कड़ी में सहायक संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंडला एवं उर्वरक निरीक्षक नैनपुर श्री आरडी जाटव को नैनपुर भ्रमण के दौरान पिकअप वाहन से उर्वरक के अवैध परिवहन की सूचना मिली। उर्वरक से लदे पिकअप वाहन की संदिग्ध स्थिति को देखते हुए वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी नैनपुर श्रीमती पंचशीला वरकड़े, कृषि विस्तार अधिकारी श्री सौरभ सिंह बघेल द्वारा वाहन को थांवर पुल के पास रोककर परिवहित उर्वरक के बिल सहित अन्य दस्तावेज मांगे जाने पर वाहन चालक द्वारा कोई भी दस्तावेज नहीं दिखाए गए। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए उन्होंने पुलिस थाना नैनपुर में इस आशय की सूचना देते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को शाम लगभग 7:45 बजे थांवर नदी पुल के पास अवैध रूप से बिना कागजात के परिवहन करते हुए तथा उर्वरक गोदाम प्रभारी के द्वारा अनुज्ञप्ति संचालन नियमों के विपरीत बिना विक्रय देयक जारी किए जिले को प्रदाय उर्वरक बाहर ले जाया जा रहा था। मंडला जिले के कोटे के उर्वरक को अवैध परिवहन के लिए वाहन क्रमांक एमपी 51 जेडए 6988 के चालक राकेश साहू पिता लखनू लाल साहू, उम्र 37 वर्ष, निवासी ग्राम जेवनारा एवं नीरज मरकाम पिता रमेश मरकाम, निवासी वार्ड नंबर 1 बम्हनी के द्वारा उर्वरक गमनागमन नियंत्रण आदेश 1973 की धारा 3, उर्वरक गुण नियंत्रण 1985 की धारा 3 एवं 5, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 (1) 2 का अपराध घटित होना पाए जाने पर दोनों आरोपियों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग' अभियान का शुभारंभ आज

मण्डला। 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग' विषय पर आधारित अभियान का शुभारंभ 8 अगस्त 2025 को प्रातः 9 बजे ग्राम पंचायत कटरा में खैरमाई मंदिर के सामने होगा। 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शासन द्वारा एक सप्ताह तक इस आयोजन का निर्णय लिया गया है। ग्राम कटरा में इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके करेंगी। केबिनेट मंत्री के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि, संबंधित जिला अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल होंगे।

एक ही दिन में दो बार हुआ साइकिल वितरण कार्यक्रम, उठे रहे सवाल

अपने आपको बड़ा दिखाने का कुत्सित प्रयास

*** स्कूल प्रबंधन की लापरवाही हुई उजागर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

राज्य शासन विभिन्न तरह की हितग्राही मूलक योजनायें चलाती है और उनके क्रियान्वयन के दौरान जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति जनता को इन योजनाओं से फायदा लेने एवं परिचित कराने में मदद करती है। योजनाओं का लाभ देते समय राज्य शासन के प्रतिनिधि इस अवसर पर मौजूद रहकर राज्य शासन का प्रतिनिधित्व करते हैं लेकिन यदि इस तरह के आयोजनों में पंचायत प्रतिनिधि अपनी मनमानी करने लगें तो फिर इसे क्या कहा जाये और मनमानी भी इस स्तर की कि जिससे एक वरिष्ठ सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री की गरिमा पर चोट पहुंचे साईकिल वितरण कार्यक्रम में जो हुआ वह बहुत ही निदंनीय है यदि कार्यक्रम तय समय से कुछ समय पूर्व संपन्न हो गया और अपने ही परिवार के सम्मानीय सदस्य के द्वारा संपन्न कराया गया हो तो फिर उसे दोबारा कराना निश्चित रूप से उस सम्मानीय सदस्य का अपमान करना है और फिर हम अपनी हैसियत का भी आंकलन करें योजना राज्य शासन की पैसा शासन का हम कौन होते हैं इन कार्यक्रमों के प्रमुख बनने वाले। जिस तरह शाला प्रबंधन ने दोबारा आयोजन में सहयोग किया वह भी छोटा अपराध नहीं है वह तो माननीय सांसद का बड़प्पन है कि उन्होंने कोई भी एतराज जाहिर नहीं किया लेकिन जिसने भी यह खबर सुनी उसे दुख अवश्य हुआ।

मध्यप्रदेश में शैक्षणिक सुधार के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीएम राइज स्कूलों का नाम बदलकर सांदीपनि विद्यालय रखने की घोषणा की है। सांदीपनि शब्द महर्षि सांदीपनि से जुड़ा है, जो भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के गुरु माने जाते हैं। मुख्यमंत्री का यह प्रयास शिक्षा को वैदिक मूल्यों और संस्कारों से जोड़ने की एक पहल है।

परंतु ज़मीनी स्तर पर स्कूलों की वास्तविक स्थिति इस आदर्श से मेल नहीं खा रही। जिले के अनेक विद्यालय जर्जर अवस्था में हैं, जहां पढ़ाई के लिए पर्याप्त कक्ष तक उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में संसाधनों की कमी से जूझ रहे जिला मंडला में एक ही दिन में दो बार आयोजित हुआ साइकिल वितरण कार्यक्रम, जनमानस के बीच चर्चा और सवालों के घेरे में है।

जानकारी के अनुसार सांदीपनि विद्यालय सागर, मंडला में विगत दिवस दोपहर के समय सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने साइकिल वितरण कार्यक्रम का समापन करते हुए विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद उसी दिन शाम को दोबारा उसी स्थान पर एक और साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा शामिल हुए। इस प्रकार दिखावे की राजनीति के कारण अध्ययन-अध्यापन में बार-बार व्यवधान उत्पन्न किया गया।

इस दोहराव की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी हैं। जिसके चलते जनता के बीच यह सवाल खड़े हो गए हैं कि एक ही योजना का दो बार आयोजन क्यों?, क्या यह राजनीतिक मंच सजाने की होड़ है?, क्या यह सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग की श्रेणी में आता है?, क्या स्कूल प्रबंधन या प्राचार्य ने राजनीतिक दबाव के कारण साइकिल वितरण कार्यक्रम एक ही दिन में दो बार अलग-अलग राजनितिक प्रतिनिधियों से कराया? वहीं दूसरी ओर गौर किया जाए तो जिले के अनेकों स्कूलों के भवनों की स्थिति बदहाल है तब प्राथमिकता साइकिल वितरण को ही क्यों?

विपक्षी नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे प्रचार की राजनीति बताते हुए इस कृत्य की आलोचना की है। उनका कहना है कि योजनाओं को अमल में लाने के बजाय राजनेताओं द्वारा ऐसा करके व्यक्तिगत प्रचार का माध्यम बना दिया जा रहा है।

वहीं आयोजन से जुड़े अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की ओर से अभी तक इस दोहराव को लेकर कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है।

अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या प्रशासन इस मामले की गंभीरता को समझते हुए समीक्षा करेगा या यह पूरा मामला सिर्फ सोशल मीडिया तक ही सीमित रह जाएगा।

इनका कहना है :-

शासकीय कार्यक्रमों का उद्देश्य जनहित होता है, लेकिन यह देखा जा रहा है कि कुछ अवसरों पर इन कार्यक्रमों को सत्तापक्ष द्वारा अपने प्रचार-प्रसार का माध्यम बना लिया जाता है। यदि कोई कार्यक्रम सांसद जी की उपस्थिति में पहले ही आयोजित हो चुका है, तो उसी दिन और उसी स्थान पर पुनः अलग से कार्यक्रम आयोजित करना उचित नहीं माना जा सकता। इससे न केवल सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग होता है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। शिक्षा के क्षेत्र में हम सभी को संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ कार्य करना चाहिए।

-इंजी. कमलेश तेकाम,
उपाध्यक्ष, अध्यक्ष शिक्षा समिति जिला पंचायत मण्डला

मामला जानकारी आया है, स्कूलों में साइकिल वितरण का कार्य जिला शिक्षा अधिकारी के अंतर्गत आता है।चूंकि जनजाति विभाग का स्कूल है। इसलिए हमारे द्वारा जांच कराई जाएगी।

-बंदना गुप्ता,
सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग, मण्डला

वैसे तो कार्यक्रम मे जनप्रतिनिधियों के माध्यम से साईकिल वितरण कराने का है। जिसके चलते कार्यक्रम में एक साथ जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाना था अलग अलग एक दिन में एक ही कार्यक्रम दो बार किया जाना उचित नही है।

-श्रीमती मुन्नी बरकड़े,
डीईओ, मण्डला

गोंझी एवं कामता में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार 'राष्ट्रीय आयुष मिशन' योजनान्तर्गत लोक स्वास्थ्य सेवा प्रदाय संबंधित क्रिया-कलाप के तहत शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय मण्डला के द्वारा ग्राम पंचायत भवन गोंझी (सहस्त्रधारा) एवं कामता में 'निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर में आए हुए सभी रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा जाँच व परामर्श एवं औषधि वितरण किया गया। साथ ही आसपास उपलब्ध औषधीय महत्व के पौधों की जानकारी भी दी गई। शिविर में आयुर्वेदीय चिकित्सकों ने लोगों को आहार-विहार व वर्षा ऋतु जनित रोगों से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी गई। इसी प्रकार ग्राम पंचायत कामता में शासकीय आयुर्वेद औषधालय टाटरी द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें वृद्धवस्था जन्य रोग एवं किशोरी बालिकाओं व महिलाओं की जाँच की गई एवं औषधि का वितरण किया गया। इस दौरान आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. एकता वाल्को, औषधि संयोजक श्री दीपक कुमार पाठक, महिला अटेंडेंट श्रीमती शालिनी सिंह राजपूत, श्री अशोक बैरागी एवं श्रीमती उर्मिला बैरागी आदि चिकित्सालय स्टॉफ ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

प्रमुख सचिव राजस्व ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रमुख सचिव राजस्व द्वारा पाक्षिक वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से जिला कलेक्टर्स एवं अन्य राजस्व अधिकारियों को संबोधित किया गया। बैठक में राजस्व न्यायालय के दैनिक कामकाज, गैर न्यायालयीन कार्य के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। न्यायालयीन एवं गैर न्यायालयीन नई व्यवस्था के संबंध में जिलों से फीडबैक लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान आरसीएमएस पोर्टल, सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्ती, राजस्व वसूली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह,

अधीक्षक भू-अभिलेख मंडला श्री हीरालाल तिवारी सहित संबंधित उपस्थित थे।

नियंत्रण से बाहर हुआ राजस्व विभाग

वर्ष भर से ऊपर का समय हो गया जबकि राजस्व विभाग की लगातार बैठकों में कलेक्टर द्वारा निर्देश दिये जाते रहे कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन जैसे अन्य कार्य समय-सीमा के अंदर संपन्न करायें जायें किसी भी स्थिति ग्रामीणों को इन कार्यो के लिये परेशान न होना पड़े जो ऑनलाईन व्यवस्था की गई उसे गंभीरता से पालन किया जाये बावजूद इसके न तो पटवारी और न ही आर.आई. इन निर्देशों को गंभीरता से लेते नजर आये हैं स्थिति जस की तस है। आज भी नामांतरण एवं सीमांकन के लिये बिना चढ़ोत्तरी काम नहीं होता और शासन के निर्देश के अनुसार यदि कोई ग्रामीण या नगर का व्यक्ति इसकी शिकायत करता है तो राजस्व विभाग के लोग उस पर ही दबाव बनाते हैं यहां तक कि सीएम हेल्पलाईन में जो शिकायतें की गई उन शिकायतों को बिना किसी समाधान के या तो दबाव बनाकर या फिर कार्यवाही का आश्वासन देकर वापिस करा दिया गया। अब जबकि प्रमुख सचिव वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से समीक्षा कर रहे हैं तो क्या ये सच्चाई उन तक पहुंचाई गई अथवा नहीं।

कलेक्टर ने किया ज्ञानदीप स्कूल के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण, बालिकाओं से बंधवाई राखियाँ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आज ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम हायरसेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण किया। स्कूल के निर्माणाधीन भवन के निर्माण के संबंध में जानकारी लेते हुए निर्माण कार्य को समय सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने स्कूल की छात्राओं के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाते हुए राखियाँ बंधवाई। कलेक्टर मिश्रा ने छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा मिठाई

खिलाते हुए उपहार प्रदान किए। इस अवसर पर कलेक्टर ने छात्राओं से चर्चा करते हुए उन्हें सफलता प्राप्त करने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि आगामी रक्षाबंधन पर्व में अपने भाइयों से पढ़ाई में सहयोग करने एवं पर्यावरण संरक्षण का वचन लें। इस अवसर पर विद्यालय के नवनियुक्त प्राचार्य दिनेश दुबे को नियुक्ति पत्र प्रदान कर ज्वाईनिंग कराई गई। इस दौरान अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव संजय तिवारी, सदस्यगण सहित संबंधित उपस्थित रहे।

मानव सेवा | **तन्खा मेमोरियल स्कूल दिव्यांग बच्चों के लिए बन रहा है वरदान।**

पूर्ण रूप से निःशुल्क दी जा रही शिक्षण सुविधायें

*** घर से लाने ले जाने के लिये वाहन सुविधा उपलब्ध।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत बड़ी खैरी में संचालित तंखा मेमोरियल रोटरी फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल आज दिव्यांग बच्चों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह विद्यालय उन बच्चों के लिए आशा की किरण बना हुआ है जिन्हें विशेष देखभाल व शिक्षा की आवश्यकता होती है। इन बच्चों की देखभाल और अध्यापन कार्य में शिक्षिका सीमा तिवारी, श्वेता शुक्ला, दीप्ति मिश्रा एवं नगीना बेगम का स्कूल प्रबंधन को लगातार सहयोग मिल रहा है। ये शिक्षिकाए इन दिव्यांग बच्चों को स्कूल समय में उनके बीच रहकर बच्चों को हर तरह से खुश एवं घर जैसा वातावरण निर्मित उनको शिक्षा दे रही है।

जिला मुख्यालय में दिव्यांग बच्चों के लिए किसी प्रकार की शैक्षणिक व्यवस्था न होने के कारण, लगभग 12 वर्ष पूर्व जस्टिस श्री तंखा जी की पहल पर इस

विद्यालय की नींव रखी गई थी। तब से लेकर आज तक इस विद्यालय के संचालन में रोटरी क्लब का सहयोग बना हुआ है, वहीं स्कूल के संचालान में डॉ. संजय तिवारी और अजय खोज लगातार प्रमुख भूमिका है। आप दोनों का लगातार इस स्कूल के संचालन की पूरी व्यवस्था की देख देख की जा रही है।

वर्तमान में यह स्कूल जिला मुख्यालय का एकमात्र दिव्यांग विद्यालय है, जहां पूरी टीम सेवा भावना से कार्य कर रही है। कक्षा पहली से लेकर आठवीं तक के लगभग 40-50 बच्चे यहां अध्ययनरत हैं। विद्यालय द्वारा बच्चों को उनके घर से लाने और छोड़ने की निःशुल्क परिवहन व्यवस्था की गई है। साथ ही शैक्षणिक शुल्क, गणवेश, मध्याह्न भोजन, पुस्तकें आदि सभी सुविधाएं पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ बच्चों को वोकेशनल प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि वे स्वावलंबी बन सकें। इसके अलावा, समय-समय पर पिकनिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम और भ्रमण जैसे आयोजनों के माध्यम से बच्चों के उत्साह को बढ़ावा दिया जाता है।

इस विद्यालय की विशेष बात यह है कि कई गणमान्य नागरिक अपने जन्मदिन या त्योहार इन बच्चों के बीच मनाकर उन्हें खुशियां बांटते हैं, जिससे बच्चों के चेहरों पर अलग ही रौनक देखने को मिलती है।

स्कूल में पढ़ रहे बच्चों के अभिभावकों से जब पढ़ाई और व्यवस्था के बारे में पूछा गया तो उन्होंने खुशी-खुशी बताया कि वे स्कूल की सभी व्यवस्थाओं से संतुष्ट हैं और संचालकों का हृदय से धन्यवाद करते हैं जिन्होंने दिव्यांग बच्चों के लिए इतनी अच्छी और निःशुल्क शैक्षणिक व्यवस्था की है।

तन्खा मेमोरियल स्कूल सच में उन बच्चों के लिए एक ऐसा केंद्र बन गया है जहां उन्हें न सिर्फ शिक्षा मिलती है, बल्कि सम्मान, आत्मनिर्भरता और समाज में एक पहचान भी मिलती है।

इनका कहना है :-

हमारा उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। इसी उद्देश्य से यह स्कूल संचालित किया जा रहा है, जहां दिव्यांग बच्चों को पूर्णतः निशुल्क शिक्षा दी जाती है। इसके अतिरिक्त, स्कूल प्रबंधन द्वारा 10 किलोमीटर की परिधि में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए निशुल्क परिवहन सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि किसी भी बच्चें की शिक्षा बाधित न हो। हम सभी जरूरतमंद बच्चों और उनके परिवारों से आग्रह करते हैं कि वे इस सुविधा का लाभ उठाएं और बच्चों के उज्जवल भविष्य की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाएं।

-डॉ. संजय तिवारी,
डायरेक्टर, जस्टिस तंखा मेमोरियल रोटरी फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल, बड़ी खैरी, मण्डला

कर्मचारी को वेतन कम दिए जाने की शिकायत

*** कलेक्टर से की न्याय की मांग।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के जनपद पंचायत मण्डला अंतर्गत ग्राम पंचायत बकोरी में संचालित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बकोरी में कार्यरत भृत्य नारायण प्रसाद यादव, निवासी ग्राम बकोरी ने कलेक्टर को एक आवेदन सौंप कर अपने साथ हो रहे अन्याय की शिकायत की है।

नारायण यादव ने अपने आवेदन में बताया है कि वे पिछले 10 वर्षों से समिति में चौकीदार एवं भृत्य के पद पर ईमानदारी से कार्यरत हैं। प्रारंभ में उनकी मासिक वेतन 12,000 तय की गई थी, परंतु पिछले 6 माह से उन्हें केवल 9,000 ही वेतन के रूप में प्रदान किया जा रहा है। इस प्रकार उन्हें प्रतिमाह 3,000 की आर्थिक क्षति हो रही है।

आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया है कि समिति के प्रबंधक / संचालक द्वारा उनके साथ यह अन्याय किया जा रहा है, जबकि अन्य कर्मचारी भी वहीं कार्यरत हैं, परंतु उनके वेतन में किसी प्रकार की कटौती नहीं की गई है।

नारायण यादव ने कलेक्टर से निवेदन किया है कि इस मामले की जांच कर प्रबंधक/संचालक के विरुद्ध उचित कार्यवाही की जाए तथा उनका पूर्व निर्धारित वेतन 12,000 पुनः बहाल किया जाए।

खबर संक्षेप

बिजली लाईन काटने की बात पर मारी लाठी

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिव ग्राम नांदनेर निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि उसके पडौस में जस्सू पाल रहता है जो बीते हुये दिवस बोला की तुमने हमारी बिजली लाईन का तार काटा है और इसी बात को लेकर वह प्रार्थी की गंदी गंदी गालिया देने लगा जब प्रार्थी द्वारा कहा कि न तो मैने बिजली लाईन का तार काटा है और गाली देने से मना किये जाने पर आरोपी द्वारा लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

तीन ने मिलकर की मारपीट

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस भामा वार्ड निवासी व टाटा केपीटल फाईनसे कंपनी में काम करने वाले एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मुझे शांतनु वर्मा द्वारा फोन करके बताया कि महेश्वरी भवन आ जाअ मेरे साथ दीपक राजपूत, सुजल सिंधी तथा अमन राजपूत मारपीट कर रहे है तो प्रार्थी जब महेश्वरी भवन के पास पहुंचा और तीनों को समझाने का प्रयास किया गया तीनों ने मिलकर प्रार्थी को गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा प्रार्थी के भतीजे शांतनु वर्मा के साथ भी मारपीट किये जाने पर पुलिस द्वारा प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

मोबाईल की किस्त को लेकर की गई मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस गोकलधाम निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि लगभग चार माह पहले मैने अपने हर्ष गोस्वामी को टीवीएस क्रेडिट से अपने नाम पर फाईन्स कराकर मोबाइल दिलवाया था जिसकी किस्त हर्ष गोस्वामी द्वारा कहा गया था कि हर माह भरेगा। मगर वह बीते हुये दो माह से नही दे रहा है जो मैने हर्ष गोस्वामी को किस्त जमा करने को कहा था। इसी बात को लेकर बीते हुये दिवस जब मै अपने काम से जा रहा था उसी दौरान नगर के डायमंड पब्लिक स्कूल पास कृष्णा गैस एंजेसी के सामने यश पाठक निवासी गोकुल धाम कालोनी तथा राज निवासी डोला बाबा मिले और मोबाइल की किस्त की बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देने लगे जब प्रार्थी ने गाली देने से मना किया तो दोनों ने मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

शराब पीने पैसा न देने परर की मारपीट

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली ज्ञानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नगर के महाराणा प्रताप वार्ड निवासी एक मजदूर वर्ग के वयक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह मजदूरी का काम करने के बाद अपने घर पैदल आ रहा था उसी दौरान पुराने बस स्टेन्ड के पास प्रार्थी को विकास कुचबंदिया मिला और शराब पीने के लिये पैसों की मांग की गई जब प्रार्थी द्वारा पैसा देने से इकार किया तो आरोपी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

तलाकशुदा पति के साथ की गई मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी बीते हुये दिवस नगर के राधा बल्लभ वार्ड निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरा लगभग 6 माह पहले लोकेश उर्फ शनि से तलाक हो चुका है। मगर इसके बाद भी बीते हुये दिवस जब मै ग्राम कौड़िया जहां पर मेरी सिलाई की दुकान है उसके चलते काम से आई थी तो चुन्गी नाके पर पूर्व पति मिला और बोला की मुझसे तलाक क्यों लिया। इसी बात को लेकर वह गंदी गंदी गालिया देने लगा तो प्रार्थिया द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपी द्वारा प्रार्थियों को जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने तलाक शुदा पत्नि की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

चार साल पहले एनटीपीसी के माध्यम से प्राप्त होने वाली सीटी स्कैन मशीन के प्रयास क्यों हुये ठंडे, जरूरत पड़ने पर नरसिंहपुर के लिये भागने की मजबूरी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जब कोई विपत्ति सामने आकर खड़ी हो जाती है तो लोगों को स्वास्थ्य सेवा हो या फिर अन्य कोई दूसरी कमी दिखाई देने लगती है और परेशानी से लड़ने के लिये तुरंत व्यवस्थाये करते हुये देखा जाता है जो निश्चित तौर से उस कहावत को चरितार्थ करते हुये जान पड़ता है की अब आग लगने के बाद कुंआ खोदने का क्या मतलब..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई हमारे क्षेत्र में भी दिखाई देने से नही चूक पा रही है। ज्ञात हो कि नगर के शासकीय चिकित्सालय में सीटी स्कैन मशीन की स्थापना हेतु एनटीपीसी पावर प्लांट के माध्यम से लगभग चार-पांच साल पहले 10 लाख रूपया की राशि जमा की गई थी। इस जमा की गई राशि पर क्षेत्रवासियों ने जब गौर करना शुरू किया गया था तब कोरोना महामारी की दूसरी लहर पूर्ण शबाब पर रहते हुये आमजन की जिन्दगी को धीरे धीरे निगलते चली जा रही थी और उस समय नगर के शासकीय चिकित्सालय में बडे ही जोरों से सीटी स्कैन मशीन स्थापित करने का मुद्दा उठने से नही चूक रहा था। वही एनटीपीसी द्वारा नगर के शासकीय चिकित्सालय में एक सीटी स्कैलन मशीन के लिये घोषणा की गई थी। जिसकी सच्चाई अप्रेल 2021 में यह बात सामने उभर कर आई हुई थी कि नगर के शासकीय चिकित्सालय में सीटी स्कैन मशीन की स्थापना 10 लाख रूपया की राशि जमा की गई है। इस संबंध में जब 16 अप्रैल 2021 में जब नगर शासकीय चिकित्सालय के तत्कालीन प्रभारी डा राकेश बोहरे से चर्चा की गई थी तो उनके बताया गया था कि जैसे ही राशि प्राप्त होती है टेंडर प्रकिया शुरू कर दी जायेगी। एक से दो महीने में मशीन स्थापित हो जाती है अभी चल रहे कोरोना काल व मौसमी बीमारियों के चलते उसकी ज्यादा डिमाड है। चिकित्सालय प्रबंधन को जैसी ही राशि प्राप्त होगी तो मशीन लगवा दी जावेगी। वही दूसरी ओर 16 अप्रैल 2021 में जब एनटीपीसी के तत्कालीन जन संपर्क अधिकारी निखिल स्वामी से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि जिला प्रशासन के अनुरोध पर सीटी स्कैन मशीन के लिये एनटीपीसी द्वारा बीते हुये फरवरी माह यानि की 2021 में 10 लाख 50 हजार रूपया की राशि जिला प्रशासन के पास जमा कर दी गई है जो मशीन की कुल कीमत से 25 प्रतिशत होती है। बाकी राशि जैसे ही मशीन का आर्डर करेगे प्रदान की दी जायेगी। उस समय इस सच्चाई को लेकर शासकीय चिकित्सालय प्रभारी का कहना था कि राशि प्रदान करते ही टेन्डर की प्रक्रिया शुरू कर दी जावेगाी तो दूसरी ओर एनटीपीसी जन संपर्क अधिकारी का कहना था कि हमारे द्वारा जिला प्रशासन के अनुरोध पर सीटी स्कैन के लिये पैसा जमा कर दिये गये है..? उस समय सबाल यह पैदा हो रहा है कि निश्चित ही एनटीपीसी द्वारा राशि को जिला प्रशासन के पास जमा किये हुये तीन माह का समय बीत चुका था। मगर किसी भी प्रकार की कोई प्रक्रिया शुरू न होना जिला प्रशासन की उदासीनता का प्रमाण उजागर होने से नही चूक पा रहा था..? इस सच्चाई को अप्रेल 2021 में मीडिया द्वारा लगातार उजागर किया गया था तो इस मामले को उस समय तत्कालीन कलेक्टर भरत सिंह यादव द्वारा गंभीरता से लेते हुये उस राशि को शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा रोगी कल्याण समिति में जमा करने की बात कही गई थी? वही तत्कालीन जिला कलेक्टर भरत सिंह यादव ने 25 अप्रैल 2021 चर्चा में बताया गया था कि एनटीपीसी द्वारा जो राशि जमा की गई थी उसे शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा की रोगी कल्याण समिति के खाते में 23 अप्रैल 2021 को जमा कर दिया गया है। इससे सी.टी. स्कैन मशीन के आर्डर के लिये आगे की प्रक्रिया की जा सकेगी। इसके उपरांत जब पुनः 25 अप्रैल 2021 को नगर के चिकित्सालय के तत्कालीन प्रभारी डा. राकेश बोहरे से चर्चा की गई थी तो उनका कहना था कि जिला प्रशासन द्वारा राशि जमा किये जाने की जानकारी मिली है। मगर अब सबमें बड़ी समस्या मशीन को प्राप्त करने की है। क्योंकि जब फरवरी माह में एनटीपीसी द्वारा जिला प्रशासन के खाते में राशि जमा की गई थी उस समय सप्लायर से बात हुई थी तो वह मशीन देने के लिये तैयार था तथा उस दौरान समाजसेवी शैलेन्द्र जैन ने भी पूरा भरोसा दिलाया गया था कि यदि तत्काल राशि की जरूरत पडेगी तो वह सहयोग करेगे। मगर वर्तमान समय में जो स्थिति बनी हुई है उसमें मशीन का सप्लाई होना कठिन जान पड़ रहा है। इस प्रकार आज से लगभग चार साल पहले देश व प्रदेश की सत्ता से जुडे तथा अन्य राजनैतिक पार्टियों के नेताओं सहित समाजसेवियों द्वारा उपरोक्त मुद्दे को वर्ष 2021 के दौरान प्रमुखता से उठाया जा रहा था जब कोरोना महामारी की दूसरी लहर घातक बन चुकी थी। जिससे अनुमान लग रहा था कि शायद अब शीघ्र ही नगर के शासकीय चिकित्सालय के लिये यह सीटी स्कैन मशीन की सौगात मिल जावेगी..? मगर मगर ज्यो ज्यो समय बीतता चला गया और नगर को मिलने वाली यह सौगात भी ंडे बस्ते में चली गई। इस तरह इस बात को आज चार साल से अधिक का समय बीते जाने के बाद यह मांग पूर्णरूप से शांत हो चुकी है जिसके चलते लोगों को जरूरत पड़ने पर सीटी स्कैन के लिये जिला मुख्यालय के चक्कर काटने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये अप्रैल 2021 में जिस तरह एनटीपीसी के जन संपर्क अधिकारी द्वारा बताया गया था कि सीटी स्कैन मशीन को लेकर उनके द्वारा जिला प्रशासन पास 10 लाख 50 हजार की राशि जमा कर दी गई है। वही जमा की गई राशि की पुष्टि तत्कालीन कलेक्टर भरत यादव द्वारा भी किये जाने के बाद पता नही वह राशि कहा गायब हो गई जिसके चलते क्षेत्र के लोग सीटी स्कैन की सुविधा को लेकर परेशान होते हुये देखे जा रहे है।

झंडा चौक पर सजा राखी बाजार, बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की उठ रही मांग

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। भाई बहिन के स्नेह भरे त्यौहार रक्षा बंधन को मात्र एक दिन शेष बचा है। कल शनिवार को रखा बंधन शहर से लेकर गांव गांव में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जावेगा। रक्षा बंधन के चलते नगर का राखी बाजार शहर के हृदय स्थल झंडा चौक पर सजा हुआ है। वही खरीददारी के लिये शहर से लेकर गांव गांव से आ रही महिलाओं की भीड़ उमड़ने के चलते जहां बाजार का हाल यह बना हुआ है कि लोगों को पैदल निकलने में भी अब परेशानियों का सामना करते हुये देखा जाने लगा। मगर इस दौरान भीड़ के बीच जिस प्रकार से बडे वाहन प्रवेश करते हुये देखे जा रहे है वह निश्चित तौर परेशानी का कारण बनने से नही चूक रहे है। इस तरह राखी बाजार में बीते हुये लगभग एक सप्ताह से लगातार भीड़ उमड़ रही है। मगर बाजार का आज आखरी दिन होने के चलते कल की अपेक्षा दूगनी भीड़ का महौल दिखाई देने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? मगर इस बीच जिस तरह से राखी बाजार में बडे वाहन प्रवेश करते हुये देखे जा रहे है। वह बाजार में उमड़ रही भीड के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक रहे है। हर साल देखा जाता था कि रक्षा बंधन के पहले राखी बाजार के लिये दोनों ओर से बडे वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया जाता था। मगर साल प्रशासन द्वारा इस तरह किसी तरह से कोई व्यवस्था नही किये जाने के कारण राखी खरीदने के लिये पहुंच रही महिलाओं को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। आमजन द्वारा नगर पालिका सहित पुलिस प्रशासन से मांग की गई है कि आज शुक्रवार को राखी बाजार का आखरी दिवस रहेगा। इस दौरान झंडाचौक राखी बाजार में आटो, चार पहिया वाहन सहित अन्य वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई जावे।

चीचली क्षेत्र में कागजों के भरोसे चलते हुए नजर आ रही आंगनबाडी संबंधित योजनाएं

हरिभूमि न्यूज/चीचली। शहरों के साथ साथ सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं व बच्चों को अनेक प्रकार के लाभ देने के उद्धेश्य से करोड़ो रूपया खर्च आगंनवाड़ी केन्द्रो की स्थाना की गई है,मगर देखनें में आता है कि ग्रामीण अंचलों मे संचालित आंगनबाडियों का फायदा महिलाओं व बच्चों को नही मिल पा रहा है? जबकि महिला बाल विभाग के माध्यम से संचालित होने वाले इन योजनाएं के नाम पर सरकार द्वारा प्रति वर्ष करोडो रूपए खर्च कर जन हितैषी योजनाए बनाती है मगर वह योजनाएं मात्र कागजो तक ही सीमित होने के चलते शासन की राशि बर्बाद ही होते हुए दिखाई देने लगी है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत अनेक गांवों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रो में आसानी से देखने मिली सकती है? बताया जाता है कि क्षेत्र के अनेक आंगनबाडियों में मासूम बच्चों को न तो पौष्टिक आहार मिल पा रहा है और न पढाई की सुविधा मिल रही है। वही दूसरी ओर गर्भवती महिलाओं को इन केन्द्रों से समय समय पर जो लाभ मिलना चाहिए था वही भी कोसो दूर दिखाई देने के साथ साथ मात्र कागजों पर चलते हुये देखने मिल रहा है? जबकि केन्द्रों के कागजों के हिसाब से देखा जावे तो उनकी खाना पूर्ति पूर्ण रूप से होती रहती है, जिसके चलते ग्रामीणों का आरोप है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, केंद्र प्रभारियों की सांठ गांठ से फर्जी बिल,आंकडे तैयार कर प्रतिवर्ष लाखों रूपए गोलमाल होना आम चर्चा बन चुका है..? इस प्रकार से अनेक केंद्रों पर मनमर्जी इस प्रकार से देखने मिलती रही है कि आंगनबाडी केंद्र कब खुलते है और कब बंद होते है और इन केन्द्रो पर कितने बच्चे पढ़ाई करने के एलि पहुंचते है, जबकि कागजों के हिसाब से दर्ज संख्या के अनुसार बच्चों की प्रतिदिन उपस्थिति दिखाई देने से नही चूकती है, वही अधिकारियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा इनका निरीक्षण सिर्फ शासकीय गाड़ियों में घूमते हुए औपचारिकत पूर्ण ही देखने मिलता है?

बारिश के दिनों में शहर में खाली पड़े प्लाटों से बन रही दुर्घटनाओं की आशंका

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

शहर के वार्डो व कालोनियों तथा अन्य जगहों पर संपन्न माने जाने वाले लोगों ने प्लाट खरीद तो लिए है किन्तु इन प्लाटों का वर्षो से उनके द्वारा मकान नही बनवाये जा रहे है और ये प्लाट वर्तमान में बिना धनीधोरी के दिखायी पड़ने लगे है। जानकारी के अनुसार नगर में सालों से उपेक्षित खाली पड़े प्लाटों में हर साल बारिश के दिनों में पानी भरने तथा गंदगी व्याप्त होने के साथ साथ आवरा जानवरों के जमावड़े से ये प्लाट कई जगह बड़े गड्ढों में तब्दील हो गए है तथा इनमें मच्छर पनपने से इनके आसपास रहने वाले लोगों को घातक बीमारियों की चपेट में आने का डर सताने लगा है। बताया जाता है कि नगर के कुछ संपन्न लोगों ने मकान बनाने के प्रयोजन के चलते नजूल भूमि के कुछ प्लाट हथियाकर अपने कब्जे में ले रखा है पर अभी तक उनका उपयोग न होने से ऐसे प्लाट समस्याओं का सबब बने हएु है। शहर के वार्डो, कालोनियों के निवासियों का कहना है कि मूसलाधार बारिश होने के दौरान खाली प्लाट पाने से सरोबार हो जाते है जिसके चलते इनमें अनेक तरह के जीवजंतु पनपने लगते है, बारिश के मौसम में भय लगा रहा है कि इन गंदगी, पानी से भर प्लाटों के पास सुबह, शाम खेलने वाले बच्चों के साथ कोई अप्रिय घटना घटित न हो जाये? शहर में मांग उठ रही है कि नपा प्रशासन जहां तहां खाली पड़े प्लाटों के मालिकों को अपने प्लाटों की जनहित में घेराबंदी कराने और उन्हें गंदगी मुक्त बनाने के लिए दबाव डालने की कार्यवाही कर शहरवासियों को राहत प्रदान करे, जिससे आने वाली समय में बारिश के दौरान आम लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना करने के लिए मजबूर न होना पड़े।

लाखों का भवन हो रहा खंडहर, प्रशासन द्वारा नहीं किया जा रहा है उपयोग

हरिभूमि न्यूज। सांईखेड़ा

जहां एक ओर प्रदेश से लेकर केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए जहां लाखों रूपया खर्च करते हुए नये भवनों का निर्माण कराया जा रहा है, वही दूसरी ओर शासन की योजनाओं की सही संचालन कराने के लिए शासकीय भवनों का निर्माण भी किया जा रहा है, मगर देखा जा रहा है कि लाखों रूपया की लागते बने हुए भवन इस समय अनुपयोगी होने के कारण उन्हें खंडहर होने के लिए छोड़ दिये जाते है? जिसके कारण शासन द्वारा इन भवनों के निर्माण में लगाई गई राशि सिर्फ बर्बादी ही साबित होती हुई जान पड़ती है? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत अनेक जगहों पर देखने मिल रहा है। जहां पर बताया जाता है कि शासन द्वारा क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए लाखों रूपया की लागत से आर आई भवन का निर्माण कराया गया था, जिससे उम्मीद थी के शासन द्वारा इस भवन के निर्माण के बाद जब यहां पर आर आई भवन बन जावेगा और इससे किसानों को अनेक सुविधाएं प्रदान होगी? मगर सच्चाई यह है कि लाखों की लागत से यह भवन विगत लम्बे समय से बना हुआ पड़ा है, मगर इस भवन के उपयोग नही होने के कारण यह खंडहर में तब्दील होने लगा है। इस प्रकार से नवनिर्मित भवन के खंडहर में तब्दील होने से लाखों रूपया शासन का बर्बाद होने से इंकार नही किया जा सकता है? क्षेत्र के लोगों द्वारा शासन प्रशासन से मांग की गई है कि इस भवन को अतिशीघ्र उपयोग में लिया जावे, नही तो इस भवन के दुर्दशा होने के साथ अतिशीघ्र अतिक्रमण की भेट चढ़ाने से बचाना मुश्किल हो सकता है?

प्रधानमंत्री आवास योजना से कई गांवों के वास्तविक पात्र हितग्राही हो रहे वंचित

हरिभूमि न्यूज/ सिहोरा/बोहानी। इस समय देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा गरीबों के हितों का ध्यान रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चला रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो प्रधान मंत्री आवास योजना एवं पूर्व से संचालित होने वाले मुख्यमंत्री आवास व इंदिरा आवास योजना, इन अयोजना के चलते जनपद पंचायतों के द्वारा ग्राम पंचायतों के माध्यम से काफी समय से संचालित की जा रही है। परंतु इसके बाद भी आज इसके वास्तविक हकदार योजना का लाभ पाने से वंचित हैं..? इसके बाद देश के प्रधान मंत्री द्वारा हर आवास हीन व्यक्ति को पक्के मकान बनाकर देने के लिए कही गई बात को पूर्ण करने के लिए प्रधान मंत्री आवास योजना की शुरूआत की गई थी, जिसके चलते इन योजनाओं के चलते इनके पात्र हितग्राहियों के चेहरों पर खुशी की लेहर दौड़ गई थी, यदि इन योजनाओं का सही रूप से क्रियान्वयन होता तो लगभग हर ग्राम पंचायत में गरीबों को आवास मिल चुका होता। परंतु आँकड़ों की जादूगरी में यह योजना ऐंसी गुम हुई कि इसके वास्तविक हकदार आज भी परेशान हैं और योजना के आँकड़े हजारों के लाभान्वित हो जाने की जानकारी दे रहे हैं? बताया जाता है कि ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम सभाओं के माध्यम से यह तय किया जाता है कि प्रधान मंत्री आवास योजना का लाभ किसे दिया जाता है और पंचायतों में बैठे हुए सचिवों व ग्राम सहायकों के माध्यम से इन योजनाओं का लाभ देने के लिए फाइलों की शुरूआत की जाती है, जिसके चलते इस समय देखा जा रहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की गई यह प्रधानमंत्री आवास योजना पूर्णरूप से भाई भतीजा बाद की शिकायत होते हुए दिखाई दे रही है और इसके वास्तविक पात्र हितग्राही बंचित रहने के साथ साथ साधन संपन्न लोग इसका लाभ लेते हुए दिखाई दे रहे है..? क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि आमजन की अनुपस्थिति के चलते सरपंच, सचिव या फिर रोजगार सहयकों द्वारा अपनी मर्जी के अनुसार नाम तय कर लेते हैं और उसे इस योजना का लाभ मिल जाता है? इसमें वह गरीब जो इसका असली हकदार होता है वह पिछड़ जाता है शिकायते तो इस प्रकार से मिल रहे है।

लाखों की लागत से बना पेशाब घर लगा रहा नपा के स्वच्छता सर्वेक्षण को ग्रहण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर पालिका की संपूर्ण व्यवस्था भगवान भरोसे होने जैसा नजारा इस समय जिस प्रकार से दिखाई दे रहा है कि नगर साफ सफाई व्यवस्था जहां पटरी से उतरी हुई दिखाई पड़ रही है। वही दूसरी ओर से प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर फैल रही गंदगी नपा के स्वच्छता सर्वेक्षण को ग्रहण लगाने में भी कोई कसर नही छोड़ रही है? इस बात की सच्चाई इस समय नगर की पानी टंकी के पास आसानी से देखने मिल सकती है जहां पर लाखों की लागत से बने हुये डीलक्स पैशाब घर से निकली वाली गंदगी काम्पलेक्स की दुकानों के चारो ओर फैलने के कारण इससे निकलने वाली दुर्गन्ध के चलते आमजन का सांस लेना मुश्किल हो गया है। बताया जाता है कि बीते हुये कुछ वर्ष पूर्व नगर पालिका परिषद द्वारा लाखों रूपया की लागत लगाते हुये यहां पर डीलक्स स्थिति के रूप में इस सोच के चलते पैशाब घर का निर्माण कराया गया था कि यहां पर लगने वाले सब्जी बाजार सहित काम्पलेक्स के दुकानदारों व आमजन के लिये पैशाब घर की व्यवस्था बन जावेगी, जिसके चलते शुरूआती तौर में तो इस पैशाब घर की नियमित साफ सफाई होते हुये दिखाई दे रही थी। मगर बीते हुये कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि शायद ही कभी इस पैशाब घर की सफाई होते हुये देखी गई हो..? इस स्थिति के चलते जहां लाखों रूपया की लागत से बना हुआ डीलक्स पैशाब घर गंदगी से बजबजा रहा है। वही दूसरी ओर इससे निकलने वाली गंदगी काम्लेक्स में आमजन के लिये बनाये गये रास्ते पर बहकर आने के कारण लोगों का यहां से सिर्फ निकलना ही नही बल्कि इस गंदगी से उठने वाली दुर्गन्ध के चलते इस काम्पलेक्स के दुकानदारों सहित नगरवासियों का सांस लेना तक मुक्लि हो रहा है।

अधिकारियों की उदासीनता के चलते कागजों में दबकर समाप्त हो जाती है शासन की अनेक योजनाएं.....?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। राज्य और केन्द्र शासन ने प्रदेश के विकास हेतु कई कल्याण कार्ययोजनाएं जनता के हितार्थ बना दी है कि उनकों अमलीजामा पहनाना संदिग्ध हो चला है, योजनाओं का कितना क्रियान्वयन हुआ है और क्या उसमें कमी है, इसकी सूक्ष्मता से जांच जरूरी है? क्योंकि कागजी आंकड़ों मे योजनाओं को सफल बता दिया जाता है, इसके लिए जिम्मेदार होते है नौकरशाह और अफसरशाही वर्ग जो कि नेताओं को गुमराह कर योजनाओं को नीतियों को सफल क्रियान्वयन होना तो बता देते है। परंतु नतीजा शून्य ही होता है? जिस प्रकार से शासन द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान रखते हुये योजनाओं की झड़ी लगा दी परंतु योजनाओं की परिणति क्या हुई होगी, इसका अंदाजा पूर्व से लेकर अब तक ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधि बने बैठे पार्टी के हम दर्दियों द्वारा ही प्रदेश के मुखिया की योजनाओं को किस प्रकार से क्रियान्वयन किया जा रहा है जो मात्र कागजों में तो दिखाई दे रही है, इसकी सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों में देखने मिली सकती है। जहां पर कागजो पर तो पंचायत में विकास कार्यो की गाड़ी पूरी तप्तार से दौड़ रही है, मगर सच्चाई कुछ और ही है? क्योंकि देखा जा रहा है कि प्रदेश मे पंचायतीराज, भ्रष्टाचार इर्ष्याद्वेष एवं भाई भतीजावाद के आधार पर चल रहा है,? पंचायतों के माध्यम से जिन योजनाओं के कार्य सौंपे जाते है उनमे सही एवं पात्र लोगों को लाभ न मिलकर अन्य लोगों को इसका लाभ मिल जाता है? जिन पंचायतों मे आदिवासी सरपंच है एवं महिला सरपंच है उनके कर्ताधर्ता उप सरपंच या सचिव होते है जो सामान्य या अन्य वर्ग के होते है जो भाई भतीजावाद के आधार पर सरपंच को गुमराह कर शासन की राशि पर पलीता लगाते रहते है? शासन को उक्त समस्त योजनाओं की पुनः खोज खबर लेनी होगी ताकि प्रदेश सरकार को अपनी महत्ता के साथ साथ अपनी ही पार्टी के पंचायत स्तर पर बैठे जनप्रतिनिधियों की पंचायतों की जांच करना जरूरी है, क्योंकि देखा जाता है कि अक्सर पार्टी के लोग ही अपने नेता को मलाई खाने के चक्कर में बर्बाद कर देते है? जबकि इसमें बड़े नेता का कही कोई दोष नही होता है, मगर अपने ही चम्मचों के कारण कढ़ाई को परेशानी झेलनी पड़ती है।

खबर संक्षेप

सावित्री सरोवर डेम में युवक का शव मिलने से सनसनी

अमरकंटक सोनमुड़ा रोड पर स्थित सावित्री सरोवर डेम में गुरुवार सुबह एक युवक का शव पानी में तैरता हुआ मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को सरोवर से बाहर निकालकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपनिरीक्षक पी.एस. बघेल ने बताया कि मृतक की पहचान लव कोहली (27 वर्ष), पिता स्वर्गीय आंचल कोहली, निवासी लखनऊ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। युवक अमरकंटक के बाराती वार्ड क्रमांक 4 में अपने चाचा अभिलाष कोहली, जो नर्मदा मंदिर के समीप पूजा-पाठ का कार्य करते हैं, के साथ निवासरत था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लव कोहली बचपन से मानसिक रूप से अस्वस्थ था, किंतु विगत कुछ दिनों से उसकी मानसिक स्थिति में सुधार देखा गया था। इसी आधार पर परिजनों ने उसे बाहर जाने की अनुमति दी थी। बताया गया कि वह मंगलवार से लापता था। गुरुवार सुबह शव मिलने के बाद परिजनों को सूचित किया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की तथा शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है, ताकि अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूर्ण की जा सके। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि युवक की मृत्यु दुर्घटनावश हुई, आत्महत्या का मामला है, अथवा इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

जिला जेल के बंदियों को बहनें बांध सकेंगी राखी

अनूपपुर। जिला जेल अनूपपुर में 09 अगस्त 2025 को रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर भाई-बहनों के खुली मुलाकात हेतु दिशानिर्देश जारी किया गया है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला जेल के उप जेल अधीक्षक श्री इन्द्रदेव तिवारी ने बताया है कि जिला जेल में मुलाकात हेतु परिजनों के नाम प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक लिखे जाएंगे, इसके पश्चात मुलाकात हेतु अनुरोध स्वीकार नही किया जाएगा। उन्होंने मुलाकात हेतु आई बहनों से अनुरोध किया है कि जेल की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए कोई भी प्रतिबंधित सामग्री जैसे रुपये पैसे, मोबाईल, कोई भी मादक पदार्थ आदि लेकर न आएं। किसी भी प्रकार की बाहरी सामग्री के साथ प्रवेश नही दिया जाएगा। केवल जेल कैंटीन से राखी, मिठाई 250 ग्राम, कुमकुम, फल एवं रुमाल ही स्वीकार की जाएगी, जो जेल कैंटीन से निर्धारित राशि भुगतान कर प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने मुलाकात हेतु आई बहनों से अनुरोध की है कि मुलाकात में सहयोग प्रदान करें एवं किसी भी प्रकार से अव्यवस्था उत्पन्न न करें, अन्यथा संबंधित को मुलाकात से वंचित होना पड़ेगा।

जल्द ही नए भवन में शिफ्ट होगा आदिवासी छात्रावास

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर
पत्रकारिता के प्रभाव और प्रशासन की सक्रियता का एक उत्कृष्ट उदाहरण राजनगर में देखने को मिला, जहां कई महीनो से अधर में लटका हुआ शासकीय आदिवासी छात्रावास अब अपने नए भवन में स्थानांतरित होने जा रहा है। यह संभव हो सका अनूपपुर जिले के कलेक्टर हर्षल पंचोली की तत्परता और संवेदनशील निर्णय के चलते। नगर परिषद राजनगर के अंतर्गत बना यह छात्रावास भवन निर्माण के कई महीनो बाद भी उपयोग में नहीं आ सका था। कारण था विद्युत विभाग का 2 लाख का बकाया बिल। यह बिल उस दौरान का था। जब भवन निर्माण का कार्य एक ठेकेदार के माध्यम से किया जा रहा था, और छात्रावास के नाम पर बिजली कनेक्शन लेकर ठेकेदार ने बिजली उपयोग की थी। इस बिल का भुगतान ना होने के कारण हैंडओवर नहीं हो पाया और छात्रावास चालू नहीं हो सका। छात्रावास अधीक्षक ने इस मामले की कई बार उच्च अधिकारियों से लिखित शिकायत की, लेकिन समाधान नहीं निकला। इसके बाद इस समस्या को मीडिया के माध्यम से प्रमुखता से उठाया गया।

संभागायुक्त धनंजय सिंह ने शहपुरा में किया योजनाओं का व्यापक निरीक्षण एवं समीक्षा बैठक

विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा, अफसरों को दिए जरूरी निर्देश

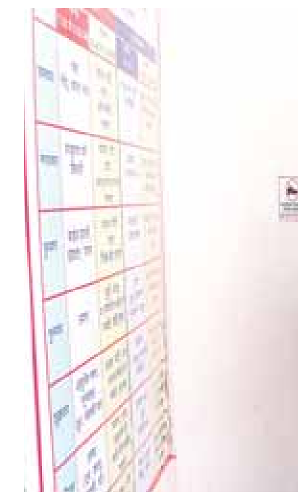

संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने डिंडोरी जिले के शहपुरा जनपद कार्यालय सभागार में विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा बैठक ली।

हरिभूमि न्यूज, डिंडौरी।

इस दौरान कलेक्टर सुश्री नेहा मारव्या, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल कुमार राठौर समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विभागीय योजनाओं की समीक्षा

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सहकारिता, मत्स्य, जल निगम, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, नगरीय प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि, उद्यानिकी और विद्युत विभाग की कार्ययोजना की विभागवार समीक्षा की।

राजस्व विभाग के लंबित सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा एवं भू-अर्जन प्रकरणों पर विशेष ध्यान देते हुए एसडीएम व तहसीलदारों को न्यायालयीन मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

सहकारिता और मत्स्य विभाग को समन्वय कर सभी समितियों के खाते शीघ्र खोलने के निर्देश मिले। वहीं उद्यानिकी विभाग को पीएम-एफएमई योजना के लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

पशु चिकित्सा विभाग को मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन की सघन निगरानी के निर्देश भी दिए गए।

महिला एवं बाल पोषण समीक्षा

शहपुरा तहसील कार्यालय में आयोजित स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास की संयुक्त पोषण प्रबंधन कार्यशाला सह समीक्षा बैठक में संभागायुक्त ने मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अंतर्विभागीय समन्वय से महिलाओं और बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाए।

सीडीपीओ शहपुरा की निरीक्षण में लापरवाही पाए जाने पर संयुक्त संचालक महिला बाल विकास को स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए गए। पोषण ट्रैकर, संपर्क, एमआईएस, अनमोल और आरसीएस पोर्टल पर नियमित व समय पर डेटा एंट्री और फील्ड निरीक्षण पर जोर दिया गया।

संभागायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्रों से टेक होम राशन वितरण और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के पंजीयन की स्थिति की भी समीक्षा की और अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी।

विद्यालयों एवं छात्रावास का निरीक्षण

संभागायुक्त श्री सिंह ने कन्या आश्रम शाला शहपुरा और शासकीय प्राथमिक विद्यालय सुहगी का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई और मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता के संबंध में जानकारी ली। शाला में शिक्षण कार्य की समीक्षा करते हुए बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

सुहगी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान बच्चों की उपस्थिति, पंजीयन और संचालन की जानकारी ली गई। संबंधित सीडीपीओ को उपस्थिति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण

संभागायुक्त ने शहपुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, टीकाकरण और ओपीडी सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही सांदीपनि विद्यालय शहपुरा में निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण करते हुए हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन यंत्री से निर्माण की गुणवत्ता और निर्धारित डिजाइन के अनुरूप कार्य की जानकारी ली।

संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने अंत में सभी अधिकारियों से कहा कि वे शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण गंभीरता से कार्य करें। जनहित से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नन्हे बच्चों ने पुलिस और डॉक्टरों को बाँधी राखियाँ

शहपुरा

रक्षाबंधन के खास मौके पर नर्मदांचल विद्यापीठ के नन्हे-मुन्ने स्कूली बच्चों ने अनोखे अंदाज़ में मनाया ये त्योहार।बच्चों ने खुद अपने हाथों से राखियाँ बनाईं और पहुँच गए स्थानीय थाना परिसर, जहाँ उन्होंने थाना प्रभारी समेत समस्त पुलिस स्टाफ को राखी बाँधी।छोटे-छोटे हाथों से बँधी राखियों ने सुरक्षा में तैनात इन वीरों के चेहरे पर मुस्कान ला दी। बच्चों ने पुलिसकर्मियों की सेवा और समर्पण के प्रति आभार जताया।

इसके बाद बच्चों ने सरकारी अस्पताल का दौरा किया और वहाँ डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों को राखियाँ बाँधीं। इस दौरान बच्चों ने अस्पताल के अलग-अलग विभाग भी देखे और स्वास्थ्य सेवा की जानकारी ली। विद्यालय की प्राचार्या और शिक्षकगणों की मौजूदगी में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्राथमिक शाला भवन बंद, छात्रावास अतिरिक्त भवन में कक्षाएं संचालित

अमरपुर।

जनपद शिक्षा केंद्र अमरपुर क्षेत्रांतर्गत वन ग्राम गोरखपुर में बने प्राथमिक शाला भवन इतना जर्जर हो गया हैं कि उस भवन में कक्षाएं संचालित करने लायक ही नहीं हैं। फिर भी छत के ऊपर पन्नी बांधकर कक्षाएं लगाई जा रही थी। अनेकों दुर्घटनाओं के देखते हुए कक्षाएं लगाना बंद कर दिया गया हैं। और छात्रावास अतिरिक्त भवन के एक कमरे में ही प्राथमिक शाला संचालित किया जा रहा हैं। साथ ही यह बताना भी आवश्यक हैं कि इस पूरे गांव में छात्रावास ही नहीं हैं। फिर भी छात्रावास का अतिरिक्त कक्ष बनाया ही क्यों गया हैं। क्या यह उच्चाधिकारियों को यह जानकारी थी कि प्राथमिक शाला भवन क्षतिग्रस्त होने वाला हैं। इसलिए छात्रावास का अतिरिक्त कक्ष निर्माण कराया गया था। इस गांव में अभी कुछ दिनों पूर्व जिला कलेक्टर महोदया का दौरा भी हुआ हैं। अब इस प्रकार पांच कक्षाएं एक कक्ष में संचालित होगा तो पढ़ाई कितनी गुणवत्ता पूर्ण होगी। इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता हैं। इसके साथ ही छात्रावास ना होते हुए भी अतिरिक्त कक्ष किस स्वार्थ के लिए निर्माण किया गया हैं। यह भी एक विचारणीय प्रश्न खड़ा करता हैं।

रक्षाबंधन पर एम.एस.जी. एकेडमी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम, छात्रों ने सैनिकों को भेजी राखियाँ

अमरपुर।

अमरपुर विकासखंड अंतर्गत एम.एस.जी. एकेडमी, सक्का में रक्षाबंधन का पर्व पारंपरिक उत्साह और भाईचारे की भावना के साथ मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों द्वारा एक-दूसरे को राखी बाँधने और मिठाइयों के आदान-प्रदान से हुई। पारंपरिक गीतों, नृत्य और नाटकों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। बच्चों की प्रस्तुतियों ने समरसता और सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया।

इस अवसर पर 'राखी निर्माण प्रतियोगिता' का भी आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और कला प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सुंदर-सुंदर राखियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि छात्रों ने देश की सरहदों की रक्षा कर रहे सैनिकों के लिए भी राखियाँ तैयार कर भेजीं, ताकि वे भी इस पावन पर्व की खुशियाँ महसूस कर सकें। इस पहल ने बच्चों में देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत किया।

विद्यालय प्रबंधन ने छात्रों के उत्साह और उनकी पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल परंपराओं से जोड़ते हैं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भी सहायक होते हैं।

एक पेड़ मां के नाम के तहत विद्या ज्योति संस्कार एकेडमी समनापुर स्कूल में किया गया पौधरोपण

डिंडोरी।

डिंडोरी जिले के समनापुर विकास खंड में स्थित विद्या ज्योति संस्कार एकेडमी समनापुर विद्यालय के प्रांगण में पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान को समर्पित अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाना एवं पौधारोपण के माध्यम से प्रकृति से जुड़ाव बढ़ाना रहा. इस अवसर पर विद्यालय परिसर में 20 फलदार छायादार पौधों का रोपण किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्या ज्योति संस्कार एकेडमी समनापुर स्कूल के शिक्षक धरम सिंह ठाकुर ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत यह पौधारोपण किया गया है. उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी बन चुकी है. जीवन में पर्यावरण संतुलन बनाये रखने हेतु पौधारोपण के साथ-साथ उनका संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है. विद्यालय के प्रधानाध्यापक छत्रपाल पाराशर ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार है. हमें ऑक्सीजन, फल, छाया एवं जीवनदायिनी हवा वृक्षों से ही प्राप्त होती है. उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसका पालन-पोषण भी करना चाहिए. कार्यक्रम के अंत में छात्रों को पौधों की देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प दिलाया गया. प्रत्येक छात्र ने एक पौधा अपनी मां के नाम समर्पित करते हुए उसकी सुरक्षा का वचन लिया. इस अवसर पर शिक्षक अमन कुमार बर्मन, साक्षी मोगरे, कुसुम नंदा, साक्षी साहू, एकता बर्मन, कंचन सोनवानी, भारती नंदा, सहित अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे. सभी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में इस कार्यक्रम की सराहना की।

अमरकंटक में पर्यटकों के साथ मारपीट के आरोपी पुलिस के शिकंजे में

सोशल मीडिया में वारयल वीडियो को पुलिस अधीक्षक ने तुरंत लिया संज्ञान

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

4 अगस्त सावन सोमवार को मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया मे वायरल होने से तत्काल संज्ञान में लेकर फरियादी को तलाशकर तलब किया जिसने थाने मे उपस्थित होकर फरियादी आदित्य उर्फ राज गुप्ता पिता नत्थू प्रसाद गुप्ता उम्र 18 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 12 मनेंद्रगढ़ पेट्रोल पंप के पास जिला एम.सी.बी. छ.ग. का हमराह साथी अमृत भारती पिता अर्जुन भारती, वर्षा सोनवानी पिता दीपक सोनवानी उम्र 23 वर्ष, फारूख खान पिता अब्दुल भजी खान उम्र 27 वर्ष निवासी मनेंद्रगढ़ के साथ रिपोर्ट दर्ज कराया कि मैं 4 अगस्त को अपने साथियों के साथ रियाजुद्दीन चौहान के सफेद रंग की बलेनो कार क्रमांक सीजी 10 एटी 8200 में बैठकर मनेंद्रगढ़ से अमरकंटक घूमने आया था। वाहन आगे पीछे करने की बात को लेकर आरोपियान आनंद केवट, शत्रुधन उर्फ माधव पनाडिया, अनुज यादव, तन्नू उर्फ साहिल मांझी निवासी बांधा जमुनादादर अमरकंटक ने वाहन को रोककर गालियां देते हुए जान से मार देने की धमकी देते हुए हाथ मुक्का से मारपीट कर इनके वाहन को तोड़फोड़ कर छतिग्रस्त कर दिये थे। उक्त रिपोर्ट पर आरोपियानों के विरूद्ध अपराध क्रे, 138/2025 126(2), 296, 115(2), 324(4), 351(3), 3 (5) बीएनएस एवं आरोपियों के विरूद्ध इस्तगासा क्रं, 20/25 , 21/25, 22/25, 23/25 धारा 170 बी.एन.एस.एस. एवं इस्तगासा क्रमांक 403/25, 404/25, 405/25, 406/25 धारा 126, 135(3) बी.एन.एस.एस. का तैयार कर 6 अगस्त को आरोपियानों को गिरफ्तार कर पेश न्यायालय किया गया। उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ़ के निर्देशन में थाना प्रभारी अमरकंटक एलबी तिवारी के नेतृत्व में उपनिरीक्षक बीएस बघेल, सहायक उपनिरीक्षक ईश्वर यादव, रघुराज सिंह, प्रधान आरक्षक पूरन सिंह मरावी, राजेन्द्र श्याम, आरक्षक अमलेश बघेल, मनोज धुर्वे, पंकज निरंकार, कृष्णा रजावत, रवि पटेल, रघुराज सिंह, पवन तिवारी द्वारा की गई।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धमना का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धमना का निरीक्षण किया। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों का पंजीयन और दवाई वितरण की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत दर्ज गर्भवती व धात्री महिलाओं का पंजीयन एवं टीकाकरण नियमित रूप से करने को कहा। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में भंडारण कक्ष का निरीक्षण किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में दवाईयों की डिमांड के अनुसार मांग पत्र भेजने के निर्देश दिए। गर्भवती महिलाओं को वितरित की जाने वाली आयरन की गोलियों की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती पटले ने इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सक कक्ष, इंजेक्शन कक्ष, जांच परीक्षण कक्ष, भंडारण कक्ष, प्रसूति कक्ष, वार्ड, पैथोलॉजी कक्ष का निरीक्षणघ किया। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के द्वारा मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

रक्षाबंधन शनिवार 9अगस्त को, दिन भर बंधेगी राखी

तेंदूखेड़ा। रक्षाबंधन भारतीय हिन्दु संस्कृति का प्रसिद्ध त्यौहार है। भाई बहन के पवित्र प्रेम और स्नेह का प्रतीक माने जाने वाला यह त्योहार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन सभी बहनें शुभ मुहूर्त में अपने भाई की सर्वविध रक्षा के लिए भगवान से प्रार्थना करते हुए राखी बांधती हैं। भाई भी जीवन भर बहन की रक्षा करने का वचन देता है। इस वर्ष रक्षाबंधन का पर्व 9 अगस्त शनिवार को मनाया जाएगा।

रक्षाबंधन पर सर्वार्थ सिद्धि नामक विशिष्ट योग

हमारे क्षेत्र के विद्वान पौरोहित्य कर्मकांड स्नातक वेदाचार्य पुराणाचार्य व्याकरणाचार्य ज्योतिषाचार्य पंडित प्रमोद पचौरी ने बताया कि शनिवार को पूर्णिमा तिथि दोपहर में लगभग 1:25 तक रहेगी। तिथि के शाकल्यपादिता होने से पूर्णिमा का मान दिन भर रहेगा। धर्म शास्त्रों के अनुसार रक्षाबंधन का मुख्य काल अपरान्ह काल माना जाता है। इस वर्ष शनिवार और श्रवण नक्षत्र के योग से समस्त कामनाओं को पूर्ण करने वाला सर्वार्थ सिद्धि नामक योग बन रहा है। इसी दिन श्रावणी उपाकर्म होता है। और यह दिन संस्कृत दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। ज्योतिषाचार्य प्रमोद पचौरी ने रक्षाबंधन के विशेष मुहूर्त के बारे में बताया कि शनिवार को पूरे दिन राखी बांधी जाएगी इस दिन भद्रा आदि कोई दोष नहीं है। सुबह 7 बजकर 25 मिनिट से 9बजकर 2 मिनिट तक शुभ का चौघड़िया 11बजकर 50 मिनिट से 12 बजकर 42 मिनिट तक अभिजित मुहूर्त रहेगा। दोपहर 12बजकर 16 मिनिट से शाम 5 बजकर 07 मिनिट तक चर लाभ और अमृत का चौघड़िया रहेगा। इन मुहूर्तों में भगवान का पूजन करके रक्षाबंधन करना शुभ फलदायक रहेगा।

आया राखी का त्योहार गुलजार हुए बाजार

रंग बिरंगी राखियों से गुलजार हुआ नरसिंहपुर का बाजार

उमड़ी लोगों की भीड़, राखियों की बढ़ी डिमांड

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर

भाई बहन के रिश्तों के पवित्र त्योहार रक्षाबंधन के एक दिन पूर्व ठीक पहले नरसिंहपुर सहित जिले के अन्य शहरों के बाजारों में जबरदस्त रौनक दिखाई देनी शुरू हो गयी है. इस मौके पर राखियों से सजी दुकानों पर बहनों की भीड़ छायी रही। इस मौके पर बाजारों में दुकानों पर परंपरागत के साथ ही देशी राखियां दिखी. रक्षाबंधन पर्व का जहां बहनों को उत्सुकता के साथ इंतजार रहता है तो वहीं वहीं भाई इस दिन कहीं भी हों वह हर हाल में अपनी बहन के पास पहुंचकर अपने प्रेम व विश्वास का धर्म अदा करते हैं।

हर बार की तरह इस बार इस पर्व को मनाने के मकसद से बहनों ने राखियों की खरीदारी कई दिन पहले से करनी शुरू कर दी है। अपने दूर रहने वाले भाइयों को राखियां पोस्ट कर दी थीं। रक्षाबंधन के त्योहार से पहले बाजार सुंदर रंग बिरंगी राखियों से सजकर तैयार हो गए हैं। यहां बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए एक से बढ़कर एक किफायती व महंगी राखियां बाजार में उपलब्ध हैं। इनकी जमकर खरीदारी हो रही है। शुक्रवार को बाजारों में भीड़ और बढ़ने की संभावना के चलते दुकानदारों के चेहरे खिले हुए हैं।गुरुवार को कंदेली मार्केट में दोपहर से ही भीड़ की चहल पहल बढ़ गई। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही, बाजारों में रौनक बढ़ गई है। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर बांधने के लिए राखियाँ खरीदने में व्यस्त हैं। बाजारों में रंग-बिरंगी राखियों की भरमार है, जिनमें पारंपारिक राखियों के साथ-साथ चांदी की राखियाँ, मोतियों की राखियाँ, और डिजाइनर राखियाँ भी उपलब्ध हैं। कुछ बहनें दूर रहने वाले भाइयों के लिए राखियाँ पहले से ही खरीदकर डाक द्वारा भेज रही हैं, एक समाचार पत्र के अनुसार। भाई भी अपनी बहनों के लिए उपहार खरीदने में लगे हुए हैं,। बाजारों में, हर तरफ रक्षाबंधन की धूम है और लोगों में उत्साह का माहौल है। इस साल राखी की नई डिजाइन जहां बच्चों को लुभा रहा हैं। वहीं जय श्री राम, राम राम, हरे कृष्णा समेत शुभ लाभ लिखी राखियां भी लोगों के मन को मोह रहीं हैं। मार्केट में राखी की दुकान लगाने वाले विनोद ने बताया कि वह पिछले पांच साल से रक्षाबंधन से पहले राखी की दुकान लगाते आ रहे हैं। उनका कहना है कि पिछली साल बिक्री अच्छी हुई थी, हालांकि अभी रक्षाबंधन में समय है, अगले कुछ दिनों में अच्छी बिक्री की उम्मीद है।

इसके अलावा रमेश ने बताया कि उन्होंने दो दिन पहले ही अपनी राखी की दुकान सजाई है। उन्होंने बताया कि इस बार बच्चों को लुभाने के लिए डोरेमोन समेत अन्य कार्टून वाली राखियों को लेकर आए हैं। पिछले बार भी इस तरह की राखियां खूब पंसद की गई थीं। इस बार कुछ नए किरदार वाली राखियां लेकर आए हैं। इसके अलावा लाइट जलने वाली राखी आई है। बच्चों को यह राखी बहुत पसंद आ रही है। इस बीच जिले के अन्य बाजार भी गुलजार हैं।

ऑनलाइन भी सजा बाजार

नगरवासी ऑनलाइन बाजार से ऐप के माध्य से भी राखियां खरीद रहे हैं। दूसरे शहरों में भी रहने वाली बहनें अपने भाईयों को ऑनलाइन माध्यम से राखी भेज रही हैं।

पुरानी रंजिश को लेकर आधी रात के सन्नाटे में युवक पर चली गोली

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

हथियारबंद लोगों ने हमला किया।

विगत दिवस जिले के अजंदा गांव में देर रात्रि उस समय सनसनी फैल गई जब घर में घुसकर हथियारबंद लोगों ने अरविंद गुर्जर नाम के व्यक्ति पर दनादन गोलियां से फायर कर दिया और घर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की अरविंद गुर्जर पर हुए अचानक हमले से उसे संभलने का भी मौका नहीं मिला और एक गोली उसके बांये पैर में लगी इस पूरे घटनाक्रम से पूरे गांव में दहशत का माहौल है घायल को गंभीर हालत में पहले गाडरवारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए नरसिंहपुर रेफर किया गया और नरसिंहपुर के निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। घायल के मुताबिक सोते समय उस पर 7- 8 हथियारबंद लोगों ने हमला किया। पीड़ति ने बताया आरोपियों से पुरानी रंजिश थी जिसके चलते जान से मारने के उद्देश्य से आरोपियों ने घर में घुसकर गन फायर करते हुए इस पूरी वारदात को अंजाम दिया। वहीं युक्त मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने गांव में भारी पुलिस बल की तैनाती की है और पूरे मामले में एडिशनल एसपी संदीप भूरिया जांच की बात कह रहे है।

पुलिस ने तलाशे 22 लाख कीमत के 106 गुम मोबाईल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मोबाईल धारकों के मोबाईल गुम होने के प्राप्त आवेदनों एवं सूचनाओं पर कार्यवाही करते हुये पुलिस साईबर सेल के अधिकारी एवं कर्मचारियों की विशेष टीम गठित की जाकर गुम मोबाईलों के तलाश एवं पतासाजी हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके परिणाम स्वरूप लगभग 22 लाख मूल्य के 106 गुम मोबाईल बरामद करने में सफलता प्राप्त की गयी है। उक्त मोबाईल को पुलिस अधीक्षक एवं अति. पुलिस अधीक्षक के द्वारा संबंधित मोबाईल धारकों को सौंपे गये हैं। पुलिस कंट्रोल रूम नरसिंहपुर साईबर फ्राड एवं अपराधों की जागरूकता के संबंध में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में प्र.आरक्षक देवेन्द्र सिंह, महिला आरक्षक, कुमुद पाठक, आरक्षक नीरज डेहरिया, हेमंत वाडिवा, आरक्षक भूपेन्द्र कवरेती एवं नितिन कुशवाहा द्वारा आमजनों को साईबर अपराधों के संबंध में जानकारी दी गयी।

विद्याभारती प्रांतीय पदाधिकारियों बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में दिनांक 06 अगस्त 2025 को सरस्वती शिक्षा परिषद कोषाध्यक्ष विष्णुकांत ठाकुर, प्रान्त प्रमुख शिवानंद सिन्हा, सहप्रांत प्रमुख हरिराम तिवारी, विभाग समन्वयक कमलेश अग्रहरि के मार्गदर्शन में जिला केन्द्र में व्यवस्थापक, अध्यक्ष, प्राचार्य, प्रधानाचार्य की बैठक का आयोजन किया गया। व्यवस्थापक धर्मेन्द्र सिंह ममार, राजकुमार जैन, अध्यक्ष हाकम सिंह चढ़ार, ग्राम भारती से शिवाजी राव, गोविन्द सिंह किरार जिला के प्राचार्य, आनंद मोहन कुर्मी, सुनील स्थापक, विजय शर्मा, नर्मदा प्रसाद गुप्ता, तुलसीराम पाराशर, लक्ष्मीकांत,कमल सिंह, की उपस्थिति रही। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत नवाचार आधारित डिजिटल तकनीकी ज्ञान एवं योजनागत विषयों तथा वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों के बारे में प्रांतीय समिति पदाधिकारियो द्वारा मार्गदर्शन दिया गया।

शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई उमावि में छात्र संघ के चुनाव कराए गए

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्र संघ के चुनाव कराए गए। चुनाव प्रक्रिया विधिवत चुनाव प्रणाली पर आधारित रहे चुनाव प्रक्रिया में सेक्टर अधिकारी के रूप में श्रीमती सोनी मैडम ने अपना उत्तरदायित्व निभाया। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया का उत्तरदायित्व श्रीमती माया पटेल मैडम ने निभाया। यह प्रक्रिया स्कूल की प्राचार्य श्रीमती आशा मैडम के मार्गदर्शन में हुआ छात्र संघ के चुनाव कक्षा ग्यारहवीं 12वीं के अध्यक्ष पद उपाध्यक्ष पद एवं सचिव पद के लिए हुए कल विधिवत वोटो की गिनती की जाएगी और विजय प्रत्याशी की घोषणा की जाएगी प्रत्येक कक्षा से 7 -7 मतदाता ने मत डाले कुल 77 मतदाताओं ने मत डाले इस प्रकार चुनाव प्रक्रिया विधिवत संपन्न हुई।

कलेक्टर ने स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया

कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में विद्यार्थी और नागरिकों से संवाद किया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने गुरूवार को नरसिंहपुर विकासखंड के ग्राम धमना और नयागांव में स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण कर विद्यार्थियों और नागरिकों से संवाद किया। उन्होंने इस दौरान स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र और स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्थाओं के संबंध में अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला स्वास्थ्य अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी और जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्रीमती पटले ने शासकीय हाई स्कूल धमना में विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी रूचि अनुसार आगे की पढ़ाई के लिए विषयों के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने विज्ञान, गणित और कला संकाय में प्रवेश लेने की बात कही। विद्यार्थियों ने प्लंबिंग आईटी क्षेत्र में भी अपनी रूचि जाहिर की। कलेक्टर श्रीमती पटले ने विद्यार्थियों से प्लंबिंग और आईटी के क्षेत्र में रोजगार की उपलब्धता और अवसर के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक विषयों की पढ़ाई करने पर उनकी आवश्यकताओं और मांग के बारे में भी जानकारी लेना जरूरी होता है, जिससे रोजगार सफल रूप से स्थापित हो सके।

कलेक्टर श्रीमती पटले ने इस दौरान विद्यार्थियों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि अपने समय का हमेशा सदुपयोग करें। नियमित रूप से अपना ज्ञानार्जन करें। अपने लक्ष्य को केन्द्रित करते हुए खूब मेहनत कर उसे प्राप्त करें। कलेक्टर ने प्राथमिक शाला धमना और हाई स्कूल नयागांव का निरीक्षण कर संवाद किया। उन्होंने प्राथमिक स्कूल धमना में किचिन शेड का निरीक्षण कर किचिन शेड को दुरूस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्राथमिक स्कूल धमना में विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन तथा विद्यार्थियों की पढ़ाई एवं पाठ्यपुस्तक वितरण आदि के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर श्रीमती पटले ने आंगनबाड़ी केन्द्र धमना का निरीक्षण कर बच्चों की उपस्थिति के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर आंगनबाड़ी केन्द्र के नवीन भवन का निर्माण गुणवत्तापूर्वक निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन में व्यय राशि का मूल्यांकन करने को कहा, जिससे आंगनबाड़ी भवन निर्माण की आवश्यकता हेतु राशि जारी की जा सके।

अलग-अलग घटनाओं में सड़क पार करते समय दो छात्र हुए हादसे के शिकार

समाचार पत्रों के माध्यम से बार बार चेताने के बाद भी सजग नहीं हुआ एन एच आई

तेंदूखेड़ा

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग के बीच पड़ने वाले तहसील मुख्यालय तेंदूखेड़ा के जीवन मूल्यों से जुड़े शासकीय स्कूलों से लेकर किसानों से जुड़े राजस्व विभाग सहकारिता तथा पुलिस और युवाओं को खेल संबंधित गतिविधियों वाले खेल ग्राउंड यहां तक कि नगर के विभिन्न वार्डों के लोगों को भारी बाहनों की आवाजाही के बीच एन एच आई की मुख्य सड़क पार करके ही जाना पड़ता है। गुरुवार को सड़क क्रास करके स्कूल जा रहा एक छात्र बुरी तरह से जख्मी हो गया जिसे गंभीर चोट आने की स्थिति में प्राथमिक उपचार के उपरांत त्वरित इलाज की दृष्टि से जबलपुर रिफर किया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। टक्कर मारकर कार चंपत हो गई।दूसरी घटना दोपहर के लंच के समय कक्षा ग्यारहवीं में पढ़ने वाले छात्र आकाश अहिरवार

ग्राम मंहगुंवा का सड़क पार कर रहा था कि कार से टकरा गया।कार चालक ने भी छात्र को बचाने के भरसक प्रयास करते हुए डिवाइडर पर कार चढ़ा दी फिर भी बालक चपेट में आ गया। तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और इलाज करवाया गया।पहली घटना के संबंध में हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार समीपी ग्राम ढिलवार निवासी कक्षा नवमीं में पढ़ने वाले ओंकार पिता जगदीश प्रजापति रोज की तरह सड़क पार करके स्कूल जा रहा था कि अबाध गति से जा रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे छात्र ओंकार को सिर में गंभीर चोट आने से उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के उपरांत उसे त्वरित गहन चिकित्सा को देखते हुए जबलपुर रिफर किया गया है। जहां हालत चिंता जनक बनीं हुई है।

मंथर गति से चल रहा डगडगा निर्माण कार्य

जीवन मूल्यों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए यहां पर सड़क मार्ग निर्माण के दौरान ही अंडर ब्रिज बनाये जाने की मांग उठती रही है। लेकिन अधिकारियों की लालफीताशाही के चलते मानवीय मूल्यों को नजर अंदाज कर जिस तरह से अंडर ब्रिज बनाये गये हैं उसमें ना तो लोगों को सुविधाएं हुई और बाहनों की आवाजाही में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाद में स्कूल और शासकीय कार्यालयों को जाने वाले लोगों को परेशानियों के चलते यहां पर एक डगडगा निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है। वैसे यह डगडगा काफी लंबे समय पूर्व स्वीकृत किया गया है और निर्माण भी कुछ समय पूर्व ही शुरू हो सका है लेकिन मंथर गति से चल रहे निर्माण कार्य ना जाने कब तक पूर्ण होगा यह भविष्य के गर्त में है।

राम ने केवल एक पुत्र नहीं, एक युग को मार्ग दिखाया, पिता की आज्ञा ही सर्वोपरि है - सदानंदजी

गोटेगांव

गोटेगांव समीप झोतेश्वर परमहंसी गंगा आश्रम स्थित चातुर्मास कथा में पूज्य शंकराचार्यजी महाराज ने प्रवचन में श्रीराम के वनगमन की व्याख्या करते हुए कहाः यह कथा केवल वन जाने की नहीं है, यह तो मन के वन में प्रवेश की कथा है,जहाँ हर मानव को अपने जीवन में कभी-न-कभी धर्म के लिए मोह छोड़ना पड़ता है।

महाराजश्री ने कहा कि राम ने केवल एक पुत्र नहीं, अपितु एक युग को मार्ग दिखाया कि पिता की आज्ञा ही सर्वोपरि है चाहे उसमें राज्य की हानि हो, सुख का त्याग हो या जीवन की तपस्या। जब श्रीराम, लक्ष्मण और सीता वन जाने को उद्यत हुए, उस क्षण राजा दशरथ का हृदय चीत्कार कर उठा। पूज्य महाराजश्री ने उस प्रसंग को भावविभोर होकर प्रस्तुत किया

रामु कहा पितु बिदा लिन्हि पैरी। चले लोग सब भए दुख हेरी

राम ने पिता से विदा ली, पाँव छूकर वन की ओर चल दिए, और सारी प्रजा दुख से भर उठी।

दशरथ बोलेः राम! तुमने तो पिता को जीते जी मरा हुआ बना दिया। आज राज्य है, रानी है, रथ है, पर राजा नहीं हूँ। क्योंकि मेरा राम नहीं है। महाराजश्री ने कहाः दशरथ की मृत्यु राम के वन जाने से नहीं हुई, बल्कि मोह और विवशता के द्वंद्व से हुई। यही वह पीड़ा है जो आज भी हर पिता अपने कर्तव्यों और संतान के जीवननिर्णयों के बीचमहसूस करता है। पूज्य महाराजश्री ने मुंडकोपनिषद की एक गूढ़ पंक्ति उद्धृत कीः द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया एक ही वृक्ष पर दो पक्षी हैं एक खाता है, दूसरा देखता है। उन्होंने कहा इस जीवनवृक्ष में राम विवेक हैं, दशरथ मन हैं, और कैकेईइच्छाओं की आकुलता है।जब इच्छाएं हावी हो जाएं, तो विवेक राम को वन भेज दिया जाता है। लेकिन जब विवेक लौटता है, तब ही मन को शांति मिलती है।

सीता और लक्ष्मण त्याग की साक्षात प्रतिमाएं

सीता ने गृहवधू होते हुए भी अपना सारा ऐश्वर्य छोड़ दिया। लक्ष्मण ने भाई के साथ चलकर राजपाठ को तृणवत त्याग दिया। महाराजश्री बोलेः यह केवल परिवार नहीं था जो वन गया, **यहतो धर्म,प्रेम औरवा का काफिला था।**

आज का संदेश जीवन में जब 'राम' त्याग मांगें, तो 'दशरथ' की तरह मोह में न टूटें, बल्कि सीता और लक्ष्मण की तरह चल पड़ें। राजा दशरथ ने मोहवश राम को रोकने की कोशिश की पर अंत में विवेक के आगे मोह को समर्पण करना पड़ा। यही दशरथ का वैराग्य था और यही जीवन की कसौटी है। त्याग में जो आनंद है,वह राजपाठ में नहीं। राम ने राज्य छोड़ा, लेकिन युगों-युगों के लिए हृदयों का राज्य पा लिया। और दशरथ ने पुत्र को खोया, लेकिन परम सत्य को प्राप्त किया। आगे की कथा में कहा कि जब श्रीराम गंगा किनारे पहुँचे, तो वहां निषादराज गुह ने उन्हें देखा। वह भाव से गद्गद् हो गए। पूज्य महाराजश्री बोलेः गुह कोई राजा नहीं था, पर उसका हृदय सम्राट था। राम ने जिसके साथ खाया, पीया, वही है असली भक्त। गुह ने कहा प्रभु! मैं नाव नहीं, प्राण दे दूँ, पर आपको वन न जाने दूँ।

श्रीराम ने मुस्कराते हुए कहाः

गुह! यह मेरा धर्मपथ है, और तू मेरी सेवा में सहभागी बनकर मुझे पहुँचा दे। निषादराज ने राम, लक्ष्मण और सीता को नाव से गंगा पार कराते हुए कहाः हे प्रभु! आज मेरी जिंदगी धन्य हो गई। राम ने उसे गले लगाया यह थी भारतीय संस्कृति की समरसता। इस अवसर पर सैकड़ो श्रद्धालुओं ने चातुर्मास कथा सुनकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

श्रीमती विधि झारिया अपाक्स जिला अध्यक्ष नियुक्त

गोटेगांव

नरसिंहपुर गत दिवस अपाक्स संघ के प्रांताध्यक्ष कैलाश सूर्यवंशी, म. प्र. अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी संगठन (अपाक्स) द्वारा इंजी. भुवनेश कुमार पटेल संरक्षक की अनुशंसा पर श्रीमती विधी झारिया सहायक ग्रेड 3 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान को अपाक्स संघ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उनकी इस नियुक्ति पर रूपकुमार सोनी, मानक साहू सहित उनके शुभचिंतकों द्वारा बधाई प्रेषित की है।

घर में घुसा गुहेरा

गोटेगांव समीपवर्ती वनपरिक्षेत्र सहायक निवास बरहटा के बाथरूम में सुबह के समय एक गोहरा घुस गया। जिसको चौकीदार ने देखा और इसकी जानकारी वनरक्षक को दी। जिसको पकड़ने के लिए बुलाए गए धनसिंह ढीमर ने गुहेरा पकड़ने के बाद जंगल ले जाकर सुरक्षित छोड़ दिया है। बरहटा निवासी धर्मसिंह ढीमर सर्प, गुहेरा पकड़ने में माहिर माना जाता है और जहां पर भी ऐसे कीड़े निकलते है उसको बुलाया जाता है।

ग्रामीण को लोहे की राड से पीटा

गोटेगांव विगत दिवस सालीबाड़ा मुड़िया गांव के बीच सालीबाड़ा पुलिया के पास रमेश पटेल के साथ एक राय होकर लोहे की राड से मारपीट कर चोट पहुंचाई एवं लात घूसों से मारपीट की गई। घायल की रिपोर्ट पर पुलिस ने शुभम पटेल, देवम पटेल सहित अन्य के खिलाफ धारा 109,296,3 के तहत मामला दर्ज किया है।

युवक से मारपीट

गोटेगांव बीते दिनों पुलिस थाना गोटेगांव के पेट्रोल पप के पास नीलेश चड़ार कुमारी मौहल्ला निवासी के साथ गाली-गलौंच करते हुए चप्पल, थप्पड़ से मारपीट हो गई। उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने रिपोर्ट होने पर रुपेश चौधरी, मयंक छिरा कुमारी मौहल्ला निवासी के खिलाफ धारा 296, 115, 351, 3 के तहत मामला दर्ज किया है।